

प्रीलिम्स फैक्ट्स: 18 जून, 2020

- [मैगल्लानोडॉन बैकाश्केनके](#)
- [बेबी डरैगन](#)
- [सजिथोरैकस सकिसरिमेंससि](#)
- [वशिव मरुसथलीकरण एवं सूखा रोकथाम दविस](#)

मैगल्लानोडॉन बैकाश्केनके

Magallanodon Baikashkenke

हाल ही में शोधकर्त्ताओं ने दक्षिण अमेरिकी देश चिली के पैटागोनिया (Patagonia) में मैगल्लानोडॉन बैकाश्केनके (Magallanodon Baikashkenke) नामक स्तनधारी से संबंधित जीव के अवशेषों का पता लगाया है जो लगभग 74 मिलियन वर्ष पहले पृथ्वी पर नविस करते थे।



प्रमुख बद्दि:

- चिली के नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम (Natural History Museum of Chile) के बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख के अनुसार, ये स्तनपायी छोटे थे और क्रेटेशियस युग (Cretaceous Era) के दौरान दक्षिणी पैटागोनिया में डायनासोर, मगरमच्छ, कछुए एवं पक्षियों के साथ रहते थे।
 - प्राप्त हुए ये अवशेष गोंडवानथेरिया (Gondwanatheria) समूह से संबंधित हैं जो लंबे समय से विलुप्त होने वाले शुरुआती स्तनधारियों का एक समूह है जो डायनासोर के साथ सह-अस्तित्व में रहते थे। माना जाता है कि क्रेटेशियस युग से गोंडवानथेरिया जीवों के अवशेष मलिन अत्यंत कम हो गए हैं।

- ये अवशेष पृथ्वी पर अब तक खोजे गए सबसे पुराने अवशेषों में से एक हैं।
- इन अवशेषों के रूप में शोधकर्त्ताओं ने मैगल्लानोडॉन बैकाश्केनके प्रजाति के जीवों के छोटे दाँतों की खोज 'टॉरस डेल पाइन नेशनल पार्क' (Torres del Paine National Park) के पास की।

टॉरस डेल पैन नेशनल पार्क (Torres del Paine National Park):

- यह दक्षिणी चिली के पैटागोनिया में पहाड़ों, ग्लेशियरों, झीलों एवं नदियों के बीच स्थिति एक राष्ट्रीय उद्यान है।
- 'कॉर्डिलेरा डेल पाइन' (Cordillera del Paine) इस पार्क का केंद्र बंदु है। यह मैगेलैनिक सबपोलर जंगलों (Magellanic Subpolar Forests) और पैटागोनियन स्टेपीज़ (Patagonian Steppes) के बीच एक संक्रमण क्षेत्र में स्थिति है।

गॉडवानथेरिया (Gondwanatheria):

- गॉडवानथेरिया स्तनधारियों का एक वल्लिपुत समूह है जो ऊपरी क्रेटेशियस युग (Upper Cretaceous Era) से लेकर एओसीन (Eocene) के अंत तक पृथ्वी पर रहते थे।
- वे दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थिति महाद्वीपों में रहते थे जो गॉडवाना लैंड (Gondwana) का हिस्सा था।
- इन स्तनधारियों को केवल पृथक दाँतों एवं कुछ नचिले जबड़े से पहचाना जाता है। इन खंडति अवशेषों के कारण इन जीवों की पहचान अत्यंत अस्पष्ट है।

बेबी ड्रैगन

Baby Dragon

स्लोवेनिया (Slovenia) की प्रसिद्ध पोस्टोज्ना गुफाओं (Postojna Caves) में आने वाले पर्यटक जल्द ही तीन बेहद दुर्लभ जलीय जीवों को देख पाएंगे जनिहें 'बेबी ड्रैगन' (Baby Dragon) के नाम से जाना जाता है।



प्रमुख बंदि:

- आधिकारिक रूप से इन जीवों को ओल्म (Olm) कहा जाता है यह उपनाम इन प्राणियों ने मध्ययुगीन काल के दौरान अर्जति किया जब स्थानीय लोगों का मानना था कि वे छपिकली जैसे दखिने के कारण ड्रैगन के वंशज थे।
- इन तीनों ओल्म (Olm) को एक विशेष भूमिगत एकवेरियम में रखा जाएगा जहाँ आम जनता उन्हें पहली बार वर्ष 2016 में देखने के बाद देख पाएगी।

ओल्म (Olm):

- सामान्य तौर पर ओल्म एक दशक में केवल एक या दो बार अंडे देता है।
- ये गुलाबी ईल जैसे जीव पूरी तरह से अंधे होते हैं और अक्सर अपने लंबे पतले शरीर एवं चार पैरों के कारण उन्हें 'मानव मछली' (Human Fish) कहा जाता है।
- ओल्म (Olm) विशेष रूप से दक्षिणी यूरोपीय कार्स्ट क्षेत्र में अंधेरी गुफाओं के जल में पाए जाते हैं। ये लंबाई में एक फुट तक बढ़ सकते हैं।

- इन्हें [IUCN](#) की रेड लिस्ट में असुरक्षित (Vulnerable) श्रेणी में रखा गया है।
- शोधकर्त्ताओं का दावा है कि ओल्म्स (Olms) एक मलियिन से अधिक वर्षों से पोस्टोज्ना गुफा में रह रहे हैं।

सज़िथोरैक्स सकिसरुमेंसिस

Schizothorax Sikusirumensis

हाल ही में पूर्वोत्तर भारत के अरुणाचल प्रदेश में मछली की एक नई प्रजाति सज़िथोरैक्स सकिसरुमेंसिस (Schizothorax Sikusirumensis) खोजी गई है।



प्रमुख बटु:

- मछली की यह नई प्रजाति सज़िथोरैक्स (Schizothorax) वर्ग से संबंधित है।
- इस नई प्रजाति का नाम अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी सियांग (East Siang) ज़िले में बहने वाली नदियों [सकि (Siku) एवं सरुम (Sirum)] के नाम पर रखा गया है जहाँ से इसे खोजा गया था।
 - सरुम नदी एक ब्राकशि माउंटेन नदी (Brakish Mountain River) है।
 - सकि (Siku), सरुम (Sirum), सबिया (Sibiya), सलुक (Siluk), न्गोपोक कोरोंग (Ngopok Korong), टारो टमक (Taro Tamak) आदि अरुणाचल प्रदेश के मेबो सब-डिविज़न (Mebo Sub-Division) में सियांग नदी की सहायक नदियाँ हैं।
- मछली की यह नई प्रजाति भूसलाधार नदी के जल भराव वाले क्षेत्र में नविस करती है।

वशिव मरुस्थलीकरण एवं सूखा रोकथाम दविस

World Day to Combat Desertification and Drought

प्रत्येक वर्ष 17 जून को 'वशिव मरुस्थलीकरण एवं सूखा रोकथाम दविस' (World Day to Combat Desertification and Drought) मनाया जाता है।

Food. Feed. Fibre.

Sustainable production and consumption



17 June 2020

DESERTIFICATION AND DROUGHT DAY

www.unccd.int

थीम:

- इस वर्ष इस दविस की थीम 'फूड-फीड-फाइबर' (Food-Feed-Fibre) है।

उद्देश्य:

- इस दविस का उद्देश्य मरुस्थलीकरण एवं सूखे की चुनौती से निपटने के लिये किये जा रहे अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के बारे में लोगों में जागरूकता फैलाना है।
- इस दविस के अन्य उद्देश्यों में विशेष रूप से अफ्रीका महाद्वीप में गंभीर सूखे या मरुस्थलीकरण का सामना करने वाले देशों में संयुक्त राष्ट्र के मरुस्थलीकरण रोकने वाले कार्यक्रमों के कार्यान्वयन को मज़बूत करना है।

प्रमुख बटु:

- इस दविस को मनाने की शुरुआत वर्ष 1995 में की गई थी। मरुस्थलीकरण एवं सूखा दविस (Desertification and Drought Day) को आधिकारिक तौर पर संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 'वर्षीय मरुस्थलीकरण एवं सूखा रोकथाम दविस' के रूप में घोषित किया गया था।
- संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, मरुस्थलीकरण एवं सूखा दविस- 2020 मुख्य रूप से 'उपभोग एवं भूमि के बीच संबंधों' पर केंद्रित होगा।
- उल्लेखनीय है कि वैश्विक स्तर पर 23% भूमि अब उत्पादक नहीं है और 75% भूमि को उसकी प्राकृतिक स्थिति से बदल कर कृषि भूमि में परिवर्तित कर दिया गया है। भूमि उपयोग के इस परिवर्तन में पछिले 50 वर्षों में अधिक तेज़ी आई है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-18-june-2020>